
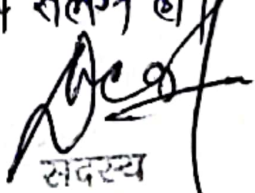



12/18

कु. पत्रावली पैरा 1071 प्राथमिक उप। अप्रार्थित सं. 1 व 2
अनु। अधिवक्ता प्रो. अ. अप्रार्थित उप। फौजदार सरकार अ.
प्राथमिक ने बैंक सक्षमों के समस्त प्राप्ति पत्र सीडार डिए
जोने डाकिलि निर्दिष्ट किया। अधिवक्ता प्रो. अ. अप्रार्थित ने अपने जवाब
प्राप्ति पत्र अनुसार प्राप्ति पत्र सक्षम मारिज डिए जोने डा
अनु. अधिवक्ता ने जवाब पत्र प्रस्तुत कर प्राथमिक
द्वारा प्रस्तुत वाद सिद्ध होने डा भार वादीगण पर ही होना अकाल
ब्रामा साप ही प्रो. अ. अप्रार्थित के पक्ष में निश्चित पंजीयन
इस्तौजेनात डी विधिसम्मत होना बताया। बैंक सक्षमों द्वारा उपस्थित
पक्षकारन डी सुना गया। पत्रावली पर उपलब्ध इस्तौजेनात डा अक्कोड
डिया एं मजमें आम में शयशुभारी डी गई तो प्राथमिक द्वारा
प्रस्तुत प्राप्ति पत्र आनुषंग योग्य नहीं होने से प्राप्ति पत्र 0.1.21
मारिज डिए जोने डा निर्दिष्ट किया गया। अता प्राप्ति पत्र 0.1.
21 अस्वीकार किया जाता है। पत्रावली प्रसल शुभार है। नेबर
से डम होकर के मूल वाद डी साप सैलज है।


अध्यक्ष
लोक अदालत
उपखण्ड-भिलाय


सदस्य
लोक अदालत
उपखण्ड-भिलाय


सदस्य
लोक अदालत
उपखण्ड-भिलाय